UP Board Important Questions Class 12 Chapter 1 संरचनात्मक परिवर्तन (Bharat main Samajik Parivartan Evam Vikas)

अतिलघूत्तरात्मक

प्रश्न 1.
आधुनिक भारत को समझने के लिए क्या जानना जरूरी है?
उत्तर:
प्राचीन और मध्यकालीन भारत को जानना।

प्रश्न 2.
भारत में स्थापित संसदीय, विधि एवं शिक्षा व्यवस्था किस देश के प्रारूप व प्रतिमान पर आधारित है?
उत्तर:
ब्रिटिश प्रारूप व प्रतिमान पर।

प्रश्न 3.
भारत में उपनिवेशवाद का प्रमुख कारण क्या है?
उत्तर:
पूँजीवाद का विकास।

प्रश्न 4.
स्वतंत्र भारत का पहला विशाल/ऊँचा बाँध कौनसा है?
उत्तर:
भाखड़ा नांगल बाँध।

प्रश्न 5.
सन् 1938 में किस योजना समिति का गठन हुआ?
उत्तर:
नेशनल प्लानिंग कमेटी का।

प्रश्न 6.
नेशनल प्लानिंग कमेटी के अध्यक्ष कौन थे?
अथवा
हमारे देश के उस प्रधानमंत्री का नाम लिखिये जो नेशनल प्लानिंग कमीशन के अध्यक्ष थे।
उत्तर:
जवाहरलाल नेहरू।

प्रश्न 7.
भारत में औद्योगीकरण व नगरीकरण उस प्रकार नहीं हुआ, जैसे ब्रिटेन का। इसका मुख्य कारण क्या था?
उत्तर:
भारत में औपनिवेशिक शासन।

प्रश्न 8.
औद्योगीकरण सबसे पहले कहाँ प्रारम्भ हुआ?
उत्तर:
ब्रिटेन में।

प्रश्न 9.
अंग्रेजी भाषा का ज्ञान किनके लिए लाभकारी सिद्ध हुआ?
उत्तर:
वंचित समूहों के लिए।

प्रश्न 10.
मार्च, 1950 में भारत सरकार के प्रस्ताव पर किस आयोग का गठन हुआ?
उत्तर:
योजना आयोग का।

प्रश्न 11.
किस भाषा के ज्ञान के कारण भारत ने भूमंडलीकृत अन्तर्राष्ट्रीय बाजार में एक विशेष स्थान प्राप्त किया?
उत्तर:
अंग्रेजी भाषा के ज्ञान के कारण।

प्रश्न 12.
तंजौर, ढाका और मुर्शीदाबाद की राजसभाओं के विघटन का मुख्य कारण क्या था?
उत्तर:
इनके विघटन का मुख्य कारण भारतीय राज्यों पर ब्रिटिश अधिकार था।

प्रश्न 13.
नगरीकरण का क्या अर्थ है ?
उत्तर:
नगरीकरण लोगों के ग्रामीण क्षेत्रों से कस्बों और नगरों की ओर जाने की प्रक्रिया है।

प्रश्न 14.
उपनिवेशवाद से आप क्या समझते हैं ?
अथवा
उपनिवेशवाद क्या है ?
उत्तर:
एक देश का दूसरे देश पर शासन करना उपनिवेशवाद है।

https://www.evidyarthi.in/

प्रश्न 15.
ब्रितानी उपनिवेशवाद किस पर आधारित था?
उत्तर:
ब्रितानी उपनिवेशवाद पूँजीवाद पर आधारित था।

प्रश्न 16.
भारत में ब्रिटिश उपनिवेशवाद के कारण आए दो प्रमुख संरचनात्मक परिवर्तनों के नाम लिखिये।
उत्तर:

1. नगरीकरण
2. औद्योगीकरण।

प्रश्न 17.
उपनिवेशवाद ने किन संरचना में नवीन परिवर्तन उत्पन्न किए?
उत्तर:
राजनीतिक, आर्थिक और सामाजिक।

प्रश्न 18.
स्वतंत्रता के बाद बम्बई का नाम बदलकर क्या कर दिया गया है?
उत्तर:
मुंबई।

प्रश्न 19.
बम्बई बोम्बे प्रेसीडेंसी की राजधानी कब बना?
उत्तर:
सन् 1819 में आंग्ल - मराठा युद्ध में मराठों की हार के बाद ।

प्रश्न 20.
प्रारम्भिक काल में मद्रास किन दो टाउनों के रूप में विकसित हुआ? उनके नाम लिखिये।
उत्तर:

1. व्हाइट टाउन
2. ब्लैक टाउन।

प्रश्न 21.
किस सन् में मद्रास राज्य का नाम बदलकर 'तमिलनाडु' कर दिया गया?
उत्तर:
सन् 1968 में।

प्रश्न 22.
वर्तमान में मद्रास नगर का नाम क्या है?
उत्तर:
वर्तमान में मद्रास नगर का नाम चेन्नई है।

प्रश्न 23.
मद्रास शहर के नाम को चेन्नई किस आधार पर किया गया है?
उत्तर:
चेन्नापट्टम गाँव के आधार पर।

प्रश्न 24.
अमूल उद्योग का पूरा नाम क्या है ?
उत्तर:
इसका पूरा नाम' आनन्द मिल्क यूनियन लिमिटेड' है।

प्रश्न 25.
स्वतंत्रता के बाद विकसित हुए किन्हीं चार औद्योगिक शहरों के नाम लिखिये।
उत्तर:

1. बोकारो
2. भिलाई
3. राउरकेला और
4. दुर्गापुरा।

प्रश्न 26.
आन्ध्रपद्रेश में काकीनाडा नगर का विकास किसके कारण हुआ है?
उत्तर:
उर्वरक उत्पादन यंत्र के कारण।

लघूत्तरात्मक प्रश्न

प्रश्न 1.
उपनिवेशवाद क्या है ?
उत्तर:
जब शक्तिशाली राष्ट्र अपने अतिरिक्त उत्पादन की खपत के लिए दूसरे राज्यों में बाजार की तलाश में वहाँ अपना आधिपत्य स्थापित करता है, तो उस स्थिति को उपनिवेशवाद कहा जाता है।

प्रश्न 2.
नगरीकरण को परिभाषित करें।
अथवा
नगरीकरण क्या है?
उत्तर:
नगरीकरण लोगों के ग्रामीण क्षेत्रों से कस्बे, शहरों व महानगरों की ओर जाने की प्रक्रिया है। इसके तहत कस्बे छोटे शहरों में और छोटे शहर महानगरों में बदलते जाते हैं।

प्रश्न 3.
औद्योगीकरण से आप क्या समझते हैं ?
अथवा

औद्योगीकरण क्या है?
उत्तर:
छोटे उद्योगों एवं छोटी-छोटी मशीनों की अपेक्षा बड़ी मशीनों द्वारा अधिक मात्रा में उत्पादन बढ़ाना औद्योगीकरण कहलाता है। इससे उद्योगों का विस्तार होता है।

प्रश्न 4.
अंग्रेजी भाषा का ज्ञान वंचित समूहों के लिए लाभकारी सिद्ध हुआ। कैसे?
उत्तर:
परम्परागत व्यवस्था में दलितों को औपचारिक शिक्षा से वंचित रहना पड़ता था। अंग्रेजी के ज्ञान से अब दलितों के लिए भी अवसरों के द्वार खुल गए हैं।

प्रश्न 5.
राष्ट्रीय योजना समिति का कार्य आगे क्यों नहीं बढ़ पाया?
उत्तर:
राष्ट्रीय योजना समिति का गठन 1938 में हुआ था। सन् 1939 से समिति ने अपना कार्य आरम्भ किया लेकिन यह ज्यादा आगे नहीं बढ़ पाई क्योंकि इसके अध्यक्ष नेहरू को गिरफ्तार कर लिया और बाद में विश्वयुद्ध भी छिड़ गया।

प्रश्न 6.
पश्चिमी और भारतीय औद्योगीकरण की कोई एक भिन्नता बताइये।
उत्तर:
पश्चिमी औद्योगीकरण में जनसंख्या का एक बड़ा भाग नौकरीपेशा लोगों का होता है, लेकिन भारतीय औद्योगीकरण में नौकरी पेशा लोगों का इतना बड़ा भाग नहीं होता है।

प्रश्न 7.
औपनिवेशिक भारत में संचार के विभिन्न रूपों को बढ़ाने वाली नई तकनीकें क्या थीं? .
उत्तर:
औपनिवेशिक भारत में संचार के विभिन्न रूपों को बढ़ाने वाली नई तकनीकें थीं - प्रिंटिंग प्रेस, टेलीग्राम, माइक्रोफोन, स्टीमर तथा रेलवे।

प्रश्न 8.
औपनिवेशिक साम्राज्य के लिए तटीय शहर महत्त्वपूर्ण क्यों थे?
उत्तर:
औपनिवेशिक साम्राज्य के लिए तटीय शहर महत्त्वपूर्ण थे क्योंकि ब्रिटिश साम्राज्य की अर्थव्यवस्था में इन शहरों की महत्त्वपूर्ण भूमिका थी तथा ये शहर भूमण्डलीय पूँजीवाद के ठोस उदाहरण थे।

प्रश्न 9.
औपनिवेशिक कानूनों ने चाय उद्योग के मालिकों और एबन्धकों को कैसे लाभ पहुँचाया?
उत्तर:
औपनिवेशिक श्रम कानूनों द्वारा चाय की बागवानी के मालिकों का पक्ष लिया गया ताकि बागान मालिकों को फायदा पहुँचाने के लिए मजदूरों पर कठोर बल प्रयोग किया जा सके।

प्रश्न 10.
ब्रिटिश औद्योगीकरण का भारतीय औद्योगीकरण पर प्रभाव लिखें।
उत्तर:
ब्रिटिश औद्योगीकरण के कारण भारत में कुछ परम्परागत औद्योगिक केन्द्रों का पतन हुआ और रेशम तथा कपास का उत्पादन व निर्यात मेनचेस्टर प्रतियोगिता में गिरता चला गया। भारतीय कारीगर कलाकारों का पतन हुआ। कलकत्ता तथा बम्बई जैसे आधुनिक औद्योगिक नगरों का विकास हुआ।

प्रश्न 11.
पूँजीवाद क्या है?
उत्तर:
पूँजीवाद ऐसी आर्थिक व्यवस्था है जिसमें उत्पादन के साधन का स्वामित्व कुछ विशेष लोगों के हाथों में होता है। इसमें ज्यादा से ज्यादा मुनाफा कमाने पर जोर दिया जाता है।

प्रश्न 12.
पूँजीवाद किस कारण से जाना जाता है ?
उत्तर:
पूँजीवाद को गतिशीलता, वृद्धि की सम्भावनाएँ, प्रसार, नवीनीकरण तकनीक, श्रम के बेहतर उपयोग और अधिकतम लाभ के कारण जाना जाता है। .

प्रश्न 13.
राष्ट्रवादी सिद्धान्त क्या है?
उत्तर:
किसी क्षेत्र विशेष में लोगों के समूह को स्वतंत्रता और सम्प्रभुता प्राप्त हो तथा उन्हें अपनी स्वतंत्रता व सम्प्रभुता के इस्तेमाल का अधिकार प्राप्त हो तथा वहाँ प्रजातांत्रिक विचारों का उद्भव हो, तो उसे राष्ट्रवादी सिद्धान्त कहते हैं।

प्रश्न 14.
संरचनात्मक परिवर्तन से आप क्या समझते हैं ?
अथवा
संरचनात्मक परिवर्तन से क्या अभिप्राय है?
उत्तर:
सामाजिक सम्बन्धों में होने वाले परिवर्तनों को संरचनात्मक परिवर्तन कहते हैं। परिवार, विवाह, नातेदारी और व्यावसायिक समूहों में आने वाले परिवर्तन संरचनात्मक परिवर्तन की प्रक्रिया के अंग हैं । औद्योगीकरण और नगरीकरण संरचनात्मक परिवर्तन के ही रूप हैं।

प्रश्न 15.
औपनिवेशिक शासन के बाद भारतीय राष्ट्रवादियों ने भारत के विकास और सामाजिक न्याय के लिए क्या अनुमान लगाया?
उत्तर:
औपनिवेशिक शासन के बाद भारतीय राष्ट्रवादियों ने भारत के विकास और सामाजिक न्याय के लिए यह अनुमान लगाया कि तीव्र और वृहद् औद्योगीकरण के द्वारा आर्थिक स्थिति में सुधार किये जा सकते हैं।

https://www.evidyarthi.in/

प्रश्न 16.
'भारतीय मूल' से आपका क्या आशय है ?
उत्तर:
उपनिवेशवादी शासन ने भारतीय मजदूरों एवं दक्ष सेवाकर्मियों को जहाजों के माध्यम से सुदूर एशिया, अफ्रीका और अमरीका में स्थित अन्य उपनिवेशों में भी भेजा। कितने लोग तो जहाज पर रास्ते में ही मर जाते थे। जाने वाले अधिकांश लोगों में से कुछ तो कभी लौट कर ही नहीं आए। आज उन भारतीयों के वंशजों को 'भारतीय मूल' का माना जाता है।

प्रश्न 17.
पश्चिमी शिक्षा पद्धति को भारत में लाने का क्या उद्देश्य था?
उत्तर:
पश्चिमी शिक्षा पद्धति को भारत में इस उद्देश्य से लाया गया कि उससे भारतीयों का एक ऐसा वर्ग तैयार हो जो ब्रिटिश उपनिवेशवाद को बनाए रखने में सहयोगी हो। लेकिन हम यह भी पाते हैं कि यही पश्चिमी शिक्षा पद्धति राष्ट्रवादी चेतना एवं उपनिवेश विरोधी चेतना का माध्यम बनी।

प्रश्न 18.
पश्चिम में पूँजीवाद का प्रारम्भ किस प्रक्रिया के फलस्वरूप हुआ?
उत्तर:
पश्चिम में पूँजीवाद का प्रारंभ एक जटिल प्रक्रिया के फलस्वरूप हुआ। इस प्रक्रिया में मुख्य रूप से यूरोप द्वारा शेष दुनिया की खोज, गैर यूरोपीय देशों की संपत्ति और संसाधनों का दोहन, विज्ञान और तकनीक का अद्वितीय विकास और इसके उपयोग से उद्योग एवं कृषि में रूपांतरण आदि सम्मिलित हैं। पूँजीवाद को प्रारंभ से ही इसकी गतिशीलता, वृद्धि की संभावनाएँ, प्रसार, नवीनीकरण, तकनीक और श्रम के बेहतर उपयोग के लिए जाना गया। इन्हीं गुणों के कारण पूँजीवाद ज्यादा से ज़्यादा लाभ सुनिश्चित करता है।

प्रश्न 19.
क्या भारत में परम्परागत व्यवस्था में दलितों को औपचारिक शिक्षा प्राप्त करने का अधिकार था?
उत्तर:
नहीं, भारत में परम्परागत व्यवस्था में दलितों को औपचारिक शिक्षा प्राप्त करने का अधिकार नहीं था। औपनिवेशिक काल में समाज सुधार आन्दोलन, पाश्चात्य उदारवाद और अंग्रेजी ज्ञान के कारण इनके औपचारिक शिक्षा के द्वार खुले।

प्रश्न 20.
विजय (कांक्रेस्ट) के पूर्व रूपों से उपनिवेशवाद किस प्रकार भिन्न है?
अथवा
ब्रिटिश शासन का प्रभाव पहले के सभी अन्य शासकों से भिन्न था, क्योंकि ?
उत्तर:
ब्रिटिश पूँजीवादी शासन द्वारा प्रत्यक्ष रूप से आर्थिक व्यवसाय में व्यापक स्तर पर हस्तक्षेप किये गये, जबकि पूर्व-पूँजीवादी शासक समाज के आर्थिक आधार में हस्तक्षेप नहीं कर सके। उन्होंने परम्परागत आर्थिक व्यवस्थाओं पर अधिकार करके अपनी सत्ता को कायम रखा।

प्रश्न 21.
उपनिवेशवाद से आए किन्हीं दो संरचनात्मक परिवर्तनों का उल्लेख कीजिये।
उत्तर:

1. ब्रिटिश उपनिवेशवाद का आधार पूँजीवादी व्यवस्था था। इसके द्वारा प्रत्यक्ष तौर पर आर्थिक व्यवस्था में व्यापक स्तर पर हस्तक्षेप किये गये।
2. ब्रिटिश उपनिवेशवाद के कारण लोगों की आवाजाही भी बढी।

प्रश्न 22.
भारतीय समाज पर औपनिवेशीकरण का क्या प्रभाव पड़ा?
उत्तर:

1. ब्रिटिश उपनिवेशवाद ने भारत के पारम्परिक आर्थिक ढाँचे को पूर्णरूपेण विघटित कर दिया। इससे भारतीय कारीगर, शिल्पकार तथा बुनकर बेकार हो गए।
2. औपनिवेशीकरण के कारण पुराने शहरों का अस्तित्व कमजोर हो गया तथा कुछ नए शहरों का विकास हुआ।
3. भारतीय कृषि औपनिवेशिक आवश्यकताओं को पूरा करने का साधन बन गई।

प्रश्न 23.
अपने शासन के निर्बाध संचालन के लिए औपनिवेशिक शासकों ने क्या कदम उठाया?
उत्तर:
अपने शासन के निर्बाध संचालन के लिए औपनिवेशिक शासकों ने

1. कानूनी, सांस्कृतिक, सामाजिक, राजनैतिक, आर्थिक तथा वास्तुकला आदि प्रत्येक क्षेत्र में प्रभावी कदम उठाये तथा
2. शासन को बेहतर तरीके से चलाने के लिए पश्चिमी शिक्षा प्रणाली की शुरुआत की गई।

प्रश्न 24.
औद्योगिक प्रणाली के अन्तर्गत उत्पादन कैसे बढ़ाया जा सकता है?
उत्तर:

1. औद्योगिक प्रणाली के अन्तर्गत नवीनतम तकनीक व प्रौद्योगिकी अपनाकर उत्पादन में वृद्धि की जाती है।
2. उदारीकरण को अपनाकर औद्योगीकरण के मार्ग की बाधाओं को दूर करके, विज्ञापन के नए-नए तरीके अपनाकर तथा औद्योगिक प्रबन्धन के जरिए फिजूल खर्ची पर नियंत्रण करके उत्पादन में वृद्धि की जाती है।

प्रश्न 25.
उपयुक्त उदाहरण देते हुए उद्योगों में प्रवासी कामगारों की स्थिति पर प्रकाश डालिये।
उत्तर:
प्रवसन करने वाले मजदूर आमतौर पर सूखाग्रस्त तथा कम उत्पादकता वाले क्षेत्रों से पंजाब तथा हरियाणा के खेतों में, उत्तरप्रदेश के ईंट-भट्टों में, नई दिल्ली जैसे बड़े शहरों में भवन निर्माण में काम करने के लिए जाते हैं । इनके पास अधिक अधिकार नहीं होते। अतः इन मजदूरों का आसानी से शोषण किया जाता है।

https://www.evidyarthi.in/